



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश: राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

29] शिमला, शनिवार, 6 जून, 1981/16 ज्येष्ठ, 1903 [संख्या 23

विषय-सूची

भाग 1	वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि ..	802—808
भाग 2	वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्ष और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि ..	808—809
भाग 3	अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनल कमीशनर तथा कमीशनर आफ इन्कम-टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि ..	—
भाग 4	स्थानीय स्वायत्त शासन: कम्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टउन एरिया तथा पंचायत राज विभाग ..	809 तथा 814
भाग 5	वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन ..	809—813
भाग 6	भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन ..	813
भाग 7	भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं ..	—
—	अनुपूरक ..	—

6 जून, 1981/16 ज्येष्ठ, 1903 को समाप्त होने वाले सप्ताह में निम्नलिखित विज्ञप्तियां 'असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश' में प्रकाशित हुईं:—

विज्ञप्ति की संख्या	विभाग का नाम	विषय
संख्या 4-3/76-इलैक, दिनांक 26 मई, 1981.	निर्वाचन विभाग	The Himachal Pradesh Municipal Election (Fourth Amendment) Rules, 1981.
संख्या पी० सी० एच० एच० ए० (3)-2/76-II, दिनांक 14 मई, 1981.	पंचायती राज विभाग	हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियम, 1971 में संशोधन।
संख्या पंच/1155-1166, दिनांक 19 मई, 1981.	कार्यालय जिलाधीश, ऊना	ग्राम पंचायत धमानदरी, जोहू, भदौडी तथा लम्लेटड़ा के सह-विकल्पित स्त्री पंचों के नामों की सूचना।

भाग 1—वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

हिमाचल प्रदेश सरकार

उद्योग विभाग

PERSONNEL DEPARTMENT

प्रमाण-पत्र

NOTIFICATION

शिमला-2, 21 फरवरी, 1981

Simla-2, the 9th April, 1981

No. PER(A-1)B(3)32/78.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to appoint Shri Mohindra Lal, I.A.S., Deputy Commissioner, Simla district as Managing Director of Himachal Pradesh Ex-Servicemen Corporation temporarily for a period of three months, in addition to his own duties with immediate effect.

ADDENDUM

Simla-2, the 10th April, 1981

No. Per(Ap-II)-A(1)-1/80.—In the Department of Personnel's notification of even number, dated 16th March, 1981, the following words stand added in the second line of para one after the word 'India' and before the words 'the':—

'and in partial modification of the Department of Personnel's notification No. Per (Ap-II)-A(3)-9/76, dated 20th September, 1978'.

Sd/-
Chief Secretary.

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-171002, 22 अप्रैल, 1981

संख्या एल0एफ0डब्ल्यू0ए0(3)-6/77.—इंग्लैंड तथा कोसमेटिक्स एक्ट, 1940 (1940 का अधिनियम संख्या XXIII) की धारा 21 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों तथा अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसे इंग्लैंड तथा कोसमेटिक्स नियम, 1945 के नियम 49, 50, 51, तथा 52 के साथ पढ़ने हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश श्री शेर सिंह, पूर्ण कालीन इंग्लैंड इन्स्पेक्टर को सारे हिमाचल प्रदेश के लिए इन्स्पेक्टर नियुक्त करने का तुरन्त सहर्ष आदेश देते हैं।

हस्ताक्षरित,
सचिव।

शिमला-171002, 28 अप्रैल, 1981

संख्या स्वास्थ्य-बी(3)15/81.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, डा० मनपाल जन्पाड़ा को हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य सेवा जनरल ड्यूटी अधिकारी, ग्रेड-II के पद पर 940-30-1000-40-1200/50-1400/60-1700/75-1850 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर छः महीने के लिए 1-10-1980 (पूर्वाह्न) से या तब तक के लिए जब तक ग्रामामी नियमित रूप में नहीं भरी जाए, जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

शिमला-171002, 28 अप्रैल, 1981

संख्या स्वास्थ्य-बी(3)-9/81.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश डा० विजय कुमार शर्मा, को हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य सेवा जनरल ड्यूटी अधिकारी ग्रेड-II के पद पर 940-30-1000-40-1200/50-1400/60-1700/75-1850 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर छः महीने के लिए 23-6-80 (पूर्वाह्न) से या तब तक के लिए जब तक ग्रामामी नियमित रूप में नहीं भरी जाए, जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

हस्ताक्षरित
उप-सचिव।

संख्या उद्योग-छ(12)-5/80.—यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री युत के० के० सीमेंट लि० फूल चक्कर, रोपड़ हिमाचल प्रदेश में खनिज अन्वेषण तथा भूमि पट्टे पर लेने के लिए गुण सम्पन्न कंपनी है। यह मिनरल कन्सेशन ब्लॉक, 1960 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश में तेल तथा प्राकृतिक गैस के अतिरिक्त सभी खनिजों का अन्वेषण करेगी।

यह प्रमाण-पत्र जो 31-12-80 को समाप्त हो गया था उसका 31-12-81 तक नवीनकरण किया जाता है।

प्रमाण-पत्र

शिमला-2, 28 फरवरी, 1981

सं० उद्योग-छ(12)28/79.—यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री विरेन्द्र कुमार बालिया, गांव ददाह, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में खनिज अन्वेषण तथा भूमि पट्टे पर लेने के लिये गुणसम्पन्न व्यक्ति है। यह मिनरल कन्सेशन ब्लॉक, 1960 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश में तेल तथा प्राकृतिक गैस के अतिरिक्त सभी खनिजों का अन्वेषण करेगा।

2. यह प्रमाण-पत्र 31-12-1981 तक प्रबल है।

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 5 मार्च, 1981

सं० इण्ड-छ(एफ)(12)-43/76 (एम० एम०) 2.—चूंकि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल महोदय को यह प्रतीत होता है कि गांव तोलोर/कमराऊ, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के खसरा नं० 537, 711, 735, 781, 783, 784, 786 और 787 की भूमि की पट्टे पर खनन कार्य हेतु दिया जाना अपेक्षित है;

और चूंकि इससे पहले आवेदकों को यह भूमि खनन कार्य हेतु इस कारण पट्टे पर नहीं दी गई क्योंकि इसमें पाये जाने वाले खनिजों का सर्वेक्षण नहीं किया गया था;

और चूंकि अब उक्त क्षेत्र की सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह प्रतीत होता है कि इसमें लाइम स्टोन व बाराइड का भण्डार पर्याप्त मात्रा में है;

अतः यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, जो जानकारी के लिए मिनरल कन्सेशन ब्लॉक, 1960 के नियम, 53 के उप-नियम (1) के खण्ड (बी) के उपबन्धों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी की जाती है।

जो भी व्यक्ति उक्त क्षेत्र में खनन हेतु आवेदन पत्र निदेशक उद्योग को देगा, उसके आवेदन पत्र पर उक्त भूमि के खनन कार्य हेतु पट्टे पर दिये जाने के लिये उक्त नियमों के नियम 59 के उपबन्धों के अन्तर्गत, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन के पश्चात् विचार किया जायेगा।

शिमला-171002, 17 मार्च, 1981

सं० 2-130/69-एम०आई०.—हिमाचल प्रदेश खादी एण्ड विलेज इण्डस्ट्रीज बोर्ड एक्ट, 1966 की धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश निम्नलिखित पदाधिकारियों को सहर्ष हिमाचल प्रदेश खादी एण्ड विलेज इण्डस्ट्रीज बोर्ड के सदस्य नियुक्त करते हैं:—

(1) सचिव (उद्योग), हिमाचल प्रदेश सरकार।

(2) निदेशक, ग्राम आर्इ० डी० ग्रामीण एकीकरण विकास।

प्रमाण-पत्र

शिमला-2, 21 मार्च, 1981

संख्या इण्ड-6(12)-27/80--यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री कुश परमार, ओक ग्राम, शिमला-171001, हिमाचल प्रदेश में खनिज अन्वेषण तथा भूमि पट्टे पर लेने के लिए गुण सम्पन्न व्यक्ति है। यह मिनरल कन्सेशन रुलज, 1960 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश में तेल तथा प्राकृतिक गैस के अतिरिक्त सभी खनिजों का अन्वेषण करेगा।

यह प्रमाण-पत्र जो 31-12-1980 को समाप्त हो गया था उसका 31-12-1981 तक नवीकरण किया जाता है।

प्रमाण-पत्र

शिमला-2, 21 मार्च, 1981

सं०: उद्योग-12(9)/79--यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री लेख राम शर्मा, गांव स्यार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश में खनिज अन्वेषण तथा भूमि पट्टे पर लेने के लिए गुण सम्पन्न व्यक्ति है। यह मिनरल कन्सेशन रुलज, 1960 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश में तेल तथा प्राकृतिक गैस के अतिरिक्त सभी खनिजों का अन्वेषण करेगी।

यह प्रमाण-पत्र 31-12-81 तक प्रबल है।

अधिसूचना

शिमला-2, 24 मार्च, 1981

सं० इण्ड-II (बी)-2-8/76 (एस्ट)--राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, निम्नलिखित कर्मचारियों को तदर्थ आधार पर रेशम बीज उत्पादन अधिकारी (श्रेणी-II राजपत्रित) वेतनमान रु० 825--1580 में फिलहाल 6 मास या उस समय तक जब तक यह पद नियमित रूप से पदोन्नति द्वारा न भरे जाये जो भी पहले हो, के लिए पदोन्नत करने का सहर्ष आदेश देते हैं। इस पदोन्नति से इन कर्मचारियों को इस पद पर नियमित रूप से पदोन्नत किये जाने एवं इस पद के लिए वरिष्ठता का दावा करने का कोई हक नहीं होगा:—

(1) श्री एन० एस० परमार, रेशम-निरीक्षक।

(2) श्री प्रताप सिंह, अधीक्षक (गहूत)।

राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश आगे इन अधिकारियों को उनके नामों के आगे दिखाए गए स्थानों पर सार्वजनिक हित में नियुक्त करने के भी आदेश देते हैं:—

(1) श्री एन० एस० परमार पालमपुर, जिला कांगड़ा।

(2) श्री प्रताप सिंह नादौन, जिला हमीरपुर।

आदेश द्वारा,
अनंग पाल,
आयुक्त एवं सचिव।

कार्यालय आदेश

सं० इण्ड (बी) 3-4/78 (एस्ट)--राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश श्री सालिंग राम चौहान, अधीक्षक, ग्रेड प्रथम, उद्योग विभाग, हिमाचल प्रदेश को सेवा निवृत्त होने की आयु पूर्ण करने पर 31-3-1981 (अप्रराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त किये जाने के सहर्ष आदेश देते हैं।

अनंग पाल,
आयुक्त एवं सचिव।

अधिसूचना

शिमला-2, 30 अप्रैल, 1981

संख्या 1-60/74-एस० आई० II.--राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः बरोटी वाला में औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार करने के उद्देश्य

से भूमि अर्जित करनी आवश्यक है, अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिश्रेष्ठ में जैसा कि निम्न विवरणों में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अधिकृत है।

2. मामला अति आवश्यक होने के कारण यह आदेश भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 17 (4) के अनुसार दिया जाता है कि इस मामले में इस अधिनियम की धारा 5-ए का उपबन्ध नहीं लागेगा।

3. भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन तथा इसे उक्त अधिनियम की धारा 17 (4) के साथ पढ़ते हुए, उन सभी व्यक्तियों के लिए जिन का इस से सम्बन्ध है घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता, नालागढ़, जिला सोलन (हि० प्र०) को एतद्वारा निर्देश दिया जाता है कि वह उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश प्राप्त करें।

4. भूमि का नक्शा एवं भू-अर्जन समाहर्ता, नालागढ़, जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश) के कार्यालय में देखा जा सकता है।

5. भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 17 की उप-धारा (1) के अनुसार यह भी आदेश दिया जाता है कि भू-अर्जन समाहर्ता, नालागढ़, जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश) उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत जारी अधिसूचना के प्रकाशन होने के 15 दिन के पश्चात् विचारित भूमि का कब्जा ले लें।

विवरण

जिला: सोलन

तहसील: नालागढ़ (बरोटी वाला)

गांव	खमरा नं०	क्षेत्र	बीघा विस्था
1	2	3	4
सूराज माजरा लबाना	90	1	15
(ह० व० 205)	92	1	7
	96	0	12
	97	0	16
	98	0	14
	100	2	9
	101	1	7
	106	2	0
	108	1	12
	109	4	3
	113	5	16
	114	1	17
	115	0	19
	116	0	16
	117	1	11
	118	1	6
	119	1	8
	9/1	0	3
	9/2	1	18
	18	2	0
	20	2	7
	21	6	14
	3	0	11
	8	1	6
	104	1	5
	105	0	4
	107	0	6
	110	2	10
	561/103	3	5
	25	2	3
	26	1	15
	84	1	4
	91	0	16
	93	2	17
	94	2	3
	95	2	0

करनी अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह अधिमूर्चित किया गया है कि उक्त परिशेष में निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिये भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिमूर्चना ऐसे सभी व्यक्तियों जो इस में सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं की जानकारी के लिये भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके में किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उसे धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिये सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी ऐसा हितवद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिशेष में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिमूर्चना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, सोलन, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के सम्मुख अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

2. भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन समाहर्ता भू-अर्जन, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग को एतद्वारा उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश देने का निर्देश दिया जाता है।

3 भूमि का खाका समाहर्ता, भू-अर्जन, लोक निर्माण विभाग, चम्बा (हि0 प्र0) के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

*मुन्ढला-गिरजिन्दु सड़क ग्राम दाराकारी के निर्माण के लिये।

संख्या लो0 लि0 (ख) 9-15/73 जमका, 28 मार्च, 1981

विस्तृत विवरण

जिला: चम्बा

तहसील: चुराह

विस्तृत विवरण		
जिला: सोलन	तहसील: सोलन	
गांव	खसरा संख्या	क्षेत्र वर्ग मीटर
1	2	3
सलोगड़ा	60	22
सोलन	72	184
	3	326
	5	322
	7	107
	10	723
	13	2903
	39	40
	40	25
	41	30
	44	54
	48	32
	51	14
	52	56
	55	21
	56	9
	57	18
	58	41
	61	9
	62	15
	59	79
	68	870
	70	162
	8	147
	63	372
	103	259
	64	54
	66	12
कुल	28	6906

हस्ताक्षरित,
सचिव।

गांव	खसरा नं०	क्षेत्र वर्ग विस्वा
दाराकारी	719/1	0 15
	946/1	0 3
	947/1	0 6
	950	0 3
	952/1	0 5
	952/2	0 2
	954/1	0 7
	1061/1	0 1
	1062/1	0 4
	1063/1	0 2
	1065/1	0 2
	1066/1	0 2
	1067/1	0 6
	1069/1	0 1
	1070/1	0 2
	1081/1	0 3
	1084/1	0 14
	1085/1	0 4
	1085/2	0 3
	1085/3	0 6
	1085/4	0 2
	1086/1	0 1
	1128/1	0 18
	1129/1	0 3
	1187/1	0 19
	1187/2	0 5
	1188/1	0 15
	1193/1	0 7
	1212	1 0
	1213/1	0 1
	1214/1	0 1
	1217/1	0 19
	1219/1	0 4
	1241/1	0 5

किला . . 34

10 9

चूंकि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि सरकारी व्यय पर भी सार्वजनिक प्रयोजन* भूमि ली जानी अपेक्षित है अतः एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणों में वर्णित भूमि *प्रयोजन के लिए आपेक्षित है।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित,
सचिव।

यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन* नामतः एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिशेव में जैसा कि निम्न विवरणी में निदिष्ट किया गया है उपरोक्त* प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके में किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी ऐसा हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिशेव में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग सोलन के सम्मुख अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

*बड़ी चण्डीगढ़ मार्ग सितलपुरी सड़क हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है।
सं० लो० नि० (ख) 1 (1)-4/80:- शिमला-171002, 7, अप्रैल, 1981

विस्तृत विवरण

जिला: सोलन

तहसील: नालागढ़

गांव 1	खसरा नं० 2	क्षेत्र बीघा बिस्वा 3 4	
		3	4
बड़ी सितलपुर	103	7	14
	104	2	10
	105	7	8
	112	5	3
	115	4	9
	116	0	10
	117	1	18
	118	0	6
	119	0	12
	120	2	7
	108	10	14
किता	11	43	19

हस्ताक्षरित/-
सचिव।

*कुमार हट्टी मितियां मार्ग कि०मी० 0/0 से 1/705 हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है।

संख्या लो० नि० (ख) 1 (1)-4/80 शिमला-2, 9 अप्रैल, 1981

बोनटा	271	5	12
	324	8	12
	265	8	6
	266	7	26
	269	16	7
	268	1	11
	270	65	9
	274	9	7
	326	6	11
	346	8	4
	273	13	5
किता..		150	10

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
सचिव।

यतः राज्यपाल हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन* नामतः एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिशेव में जैसा कि निम्न विवरणी में निदिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन* के लिये भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को इससे सम्बन्धित है या हो सकते हैं की जानकारी के लिये भू-अर्जन अधिनियम 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके में किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिये सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी ऐसा हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिशेव में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, शिमला-3 हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के सम्मुख अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

*बनानटी-वझोल सड़क ग्राम जंगरी के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है।

सं० लो० नि० (ख) 9(1)-1/81. शिमला-2, 13 अप्रैल, 1981

जिला: शिमला		तहसील: सुनी	
विस्तृत विवरण		क्षेत्र बीघा बिस्वा 3 4	
गांव 1	खसरा संख्या 2	3	4
जंगरी एच० बी० 208	148	0	8
	146	1	0
	149	3	10
	251	45	0
	186	1	3
	250	70	1
	189	1	0
	56	3	0
	173	2	0
	57	1	16
	207	2	9
	16	2	2
	210	50	0
	43	3	0
	13	0	10
	44	1	3
	188	0	10
	368/46	0	8
	88	50	14
	364/9	0	15
	147	10	4
	84	15	0
	152	30	0
	136	12	18
	211	30	12
	365/9	5	12
	199	3	17
	369/46	0	14
	371/47	3	11
	17	1	0

1	2	3	4
	388/36	5	17
	389/37	1	0
	373/10	0	5
	375/10	0	7
	392/37	1	0
	390/37	0	12
	11	2	0
	12	2	1
	377/10	1	0
	405/40	2	0
	42	2	0
	391/37	0	12
	184	2	10
	187	1	0
	190	1	5
	191	3	0
	205	1	0
	185	2	12
किता:	48	362	17

जिला: शिमला

तहसील: शिमला

*घनाहटी-बसोल सड़क ग्राम टिकरी के निर्माण हेतु।

सं० लो० नि० (ख) 9(1)-1/81. शिमला-2, 13 अप्रैल, 1981

टिकरी/56	57/2	50	0
	58	4	9
	233/60	43	6
	237/60	1	10
	238/60	1	4
	240/60	5	2
	241/60	3	0
	239/60	0	8
	177/1	2	4
	178	45	0
	10	156	3

मैं प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिये सहर्ष प्राधिकार देने है।

4. कोई भी ऐसा हितवद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिश्रेत में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, मोलन हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के सम्मुख अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विस्तृत विवरण

जिला: मोलन तहसील: मोलन

गांव	खमरा सं०	अंश	बीघा	विस्वा	विस्वा
1	2	3	4	5	
देवरी	95/2	0	12	0	
	95/1	1	16	0	
	92	0	1	0	
	115/91	4	1	0	
	93	1	3	0	
	216/98	0	12	0	
	97	0	2	0	
	204/200/116/91	0	12	0	
	1120/116/91	12	16	0	
	214/211	47	13	12	
	208/205	62	10	64	
	117/116/91	6	16	0	
	206/205/200/	0	3	6	
	117/116/91.				
	90	0	1	0	
	96	0	16	0	
	207/205	16	3	0	
किता	16	155	18	12	

हस्ताक्षरित,
सचिव।

शिमला-2, 1 मई, 1981

शिमला-2, 23 अप्रैल, 1981

संख्या लो० नि० (ख) 9 (1)-4/81.-यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः गढ़खल स्पाटू मार्ग के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परीक्षण न जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इस से सम्बन्धित है या हो सकते हैं, की जानकारी के लिये भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके में किसी भी भूमि

सं० लो० नि० (ख)-6(1)-7/80.-हिमाचल प्रदेश माइनर कैनल ऐक्ट, 1976 (1976 का 42वां ऐक्ट) की धारा 2 की उप-धारा (2) के परन्तुक (ए०) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश निम्न सूची में दर्शाई गई कुहलों को उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-II में तत्काल सम्मिलित करने के सहर्ष आदेश देते हैं:-

क्रम सं०	कुहल का नाम	जिला	तहसील
1.	गरसा कुहल	कुल्लू	कुल्लू
2.	गाहर कुहल	कुल्लू	कुल्लू

शिमला-2, 1 मई, 1981

सं० लो० नि० (ख) 6(1)-7/80.-हिमाचल प्रदेश माइनर कैनल ऐक्ट, 1976 (1976 का 42वां ऐक्ट) की धारा 2 की उप-धारा (2) के परन्तुक (ए०) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश निम्न सूची में दर्शाई गई कुहलों को उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-II में तत्काल सम्मिलित करने का सहर्ष आदेश देते हैं:—

क्रम सं०	कुहल का नाम	जिला	तहसील
1.	हरीपुर नागत कुहल	कुल्लू	आन्नी
2.	राठौह कुहल	कुल्लू	आन्नी

आदेशानुसार,
एच० सी० मल्होत्रा,
सचिव ।

कल्याण विभाग

जापन

शिमला-2, 21 अप्रैल, 1981

विषय:—जिला कल्याण एवं प्रोवेशन अधिकारी की वेतनमान रुपये 800-1400 के पद पर नियुक्ति ।

संख्या कल्याण-वी(2)-4/76.—हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श पर राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश श्री प्रेम नाथ नेगी, रोडर टू एस०डी०एम० कल्याण, जिला किल्लौर, हिमाचल प्रदेश को रुपये 800—1400 के वेतनमान पर हिमाचल प्रदेश सरकार के कल्याण विभाग में निम्नलिखित शर्तों पर जिला कल्याण एवं प्रोवेशन अधिकारी राजपलित श्रेणी-II का पद प्रदान करके लाहौल स्पिति किलौंग के तैनाती के आदेश देते हैं ।

(1) पद विष्कुल अस्थाई है लेकिन इसके अनिश्चित काल तक बने रहने की सम्भावना है ।

(2) कार्यभार के सम्भालने से लेकर दो साल की अवधि तक वे परिविक्षाधीन रहेंगे । यह अवधि खास परिस्थितियों में जिसे लिखित रूप में बताया होगा अधिक से अधिक एक साल तक सह्य अधिकारी द्वारा बढ़ाई जा सकती है ।

(3) पद का वेतनमान 800—1400 रुपये है, और वेतनमान का प्रारम्भ 800/- रुपये प्रतिमास में होगा ।

(4) इस नियुक्ति को दोनों में से किसी भी पक्ष अर्थात् नियुक्ति-कर्ता या नियुक्त द्वारा एक महीने की पूर्व सूचना देकर, बिना कारण बताये समाप्त किया जा सकता है ।

(5) नियुक्तिकर्ता अधिकारी को यह अधिकार प्राप्त होगा कि नोटिस की उपरोक्त अवधि के वेतन और भत्ते सूचना दे कर अवधि को या उसके किसी भाग को समाप्त कर सकता है ।

(6) सेवा की अन्य शर्तें समय-समय पर लागू नियमों और आदेशों के अनुसार होंगी ।

(7) नियुक्ति यथाविधि बनाये गये चिकित्सा बोर्ड द्वारा उसके आरोग्य प्रमाणित किये जाने की शर्त पर होगी जिसके लिए निदेशक, कल्याण, हिमाचल प्रदेश से सम्पर्क किया जावे ।

(8) कार्यभार सम्भालने आने जाने हेतु कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा ।

(9) इस नियुक्ति के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश के किसी भी भाग से सेवा करने की बाध्यता होगी ।

(10) निर्धारित फार्म पर उन्हें भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेनी होगी ।

(11) उन्हें यह घोषणा पत्र देना होगा कि किसी भी समय अगर उनकी एक से अधिक जीवित पत्नियां होंगी तो उनकी नियुक्ति इस सम्बन्ध में आवश्यक शर्तों को हटाये जाने की सूरत में ही रह सकेगी ।

(12) उन्हें नियुक्ति की तिथि से एक साल की लगातार सेवा के बाद आवश्यक रूप से सामान्य भविष्य निधि (जनरल प्राविडेंड फण्ड) में कम से कम दर से पैसा जमा कराना होगा जैसा सरकार नियत करे ।

(13) इस पद पर नियुक्ति चरित्र एवं पूर्ववृत्त की जांच पड़ताल की जा रही है यदि सन्तोषजनक नहीं पाई गई तो नियुक्ति तत्काल ही समाप्त समझी जायेगी ।

(14) समय-समय पर जब भी आवश्यक हुआ, अधिकारी को व्यवसाय सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा ।

2. यदि यह नियुक्ति प्रस्ताव श्री प्रेम नाथ नेगी को मान्य है तो उन्हें डाकटरी परीक्षा अपने नियुक्ति स्थान पर 15 दिनों के अन्दर-अन्दर कार्यग्रहण करने के पश्चात करनी होगी, अन्यथा यह समझा जायेगा कि उन्हें इस पद में रुची नहीं है और नियुक्ति प्रस्ताव रद्द समझा जायेगा ।

हस्ताक्षरित,
अवर सचिव ।

भाग 2—वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

कांग्रेस उपायुक्त (समाहर्ता), जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

विज्ञापन

शिमला-2, 26 फरवरी, 1981

पुष्टिकन न०क०(ग्र०क०)/81.—सर्व साधारण को इस विज्ञापन द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला शिमला के राजस्व विभाग के लिए लगभग 100 उम्मीदवार पटवर्गियन व 10 उम्मीदवार कानूनगोयान स्वीकृत किए जा कर भरती किये जाने हैं । स्वीकृत किए जाने वाले उपायुक्त उम्मीदवारों की योग्यता तथा दूसरी शर्तों का व्योरा नीचे दिया गया है । उम्मीदवारों की स्वीकृति व भरती में पूर्व फेर-नान्न शिमला में दिनांक 16-3-1981 को प्राप्त 10-30 वजे हिन्दी व मैट्रिक स्तर के गणित में लिखित परीक्षा के अनिवार्य साक्षात्कार भी होगा । यह साक्षात्कार उपायुक्त तिथि से दो तीन दिनों तक जारी रह सकता है । उपायुक्त पदों में से 22 प्रतिशत अनुसूचित जातियों के लिए, 5 प्रतिशत जनजाति के लिए, 10 प्रतिशत पिछड़ी जाति के लिए व 10 प्रतिशत भूतपूर्व सैनिकों के लिए सुरक्षित होंगे । केवल वे ही उम्मीदवार परीक्षा व साक्षात्कार में प्रवेश पा सकेंगे जोकि जिला राजगार कार्यालय, शिमला, डियोग व रामपुर में 31, दिसम्बर, 1980 तक पंजीकृत होंगे ।

I. योग्यतायें	पटवारी उम्मीदवार के लिए	कानूनगो उम्मीदवार के लिए
(1) शैक्षणिक	मैट्रिक व इस से अधिक ।	मैट्रिक, परन्तु प्राथमिकता सनातन व उस से अधिक शिक्षा प्राप्त उम्मीदवार को दी जायेगी ।
(2) आयु—		
(अ) अनुसूचित व जनजाति	18 से 33 वर्ष तक	18 से 35 वर्ष तक ।
(ब) अन्य उम्मीदवारों के लिए ।	18 से 30 वर्ष तक	18 से 30 वर्ष तक ।
नोट:—विभागीय उम्मीदवारों के लिए आयु की उपरोक्त सीमा लागू न होगी । ऐसे उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 40 वर्ष होगी ।		
(3) अधिवास	जिला शिमला का स्थाई निवासी होना चाहिए ।	जिला शिमला का स्थाई निवासी होना चाहिए ।

II. प्रमाण पत्र:—उम्मीदवारों को परीक्षा व साक्षात्कार के लिए अपने साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र ला कर अधोहस्ताक्षरी के सम्मुख पेश करने होंगे:—

- (1) रोजगार पंजीकृत कार्ड ।
- (2) शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण-पत्र ।
- (3) आय का प्रमाण-पत्र ।
- (4) वार्षिक आय का प्रमाण-पत्र ।
- (5) इस बात का प्रमाण-पत्र कि उम्मीदवार के परिवार में कोई सदस्य नौकरी में नहीं है ।
- (6) अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति व भूतपूर्व सैनिक, जैसी भी स्थिति हो के प्रमाण-पत्र ।

नोट:—तम्बर 4 से 6 पर वर्णित प्रमाण-पत्र के निर्धारित खाकी प्रपत्र हर उम्मीदवार तहसीलदारों व विकास खण्ड अधिकारियों से प्राप्त कर सकते हैं । ये प्रमाण-पत्र मैजिस्ट्रेट द्वारा तस्दीक/जारी होने चाहिए ।

III. अन्य शर्तें:

- (1) उम्मीदवार को परीक्षा व साक्षात्कार के लिए आने जाने का कोई भता नहीं दिया जायेगा ।

महेन्द्र लाल,
उपायुक्त ।

भाग 3—अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाईनेंशल कमिशनर तथा कमिशनर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि
शून्य

भाग 4—स्थानीय स्वायत्त शासन: म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग
LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Simla-2, the 16th May, 1981

No. LSGA (4)-19/77.—Whereas Shri Parshotam Lal, Member Municipal Committee, Kangra (Himachal Pradesh) has been found absenting himself for more than 3 consecutive months from the meetings of the Municipal Committee, Kangra, without reasonable cause;

2. AND WHEREAS a show cause notice as required under clause (c) of sub-section (1) of section 15 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 (Act No. 19 of 1968), was issued to the said Shri Parshotam Lal, whereby he was required to explain within 15 days as to why he should not be removed from the membership of the

said Committee;

3. AND WHEREAS on receipt of the explanation from Shri Parshotam Lal, Member, Municipal Committee, Kangra and after considering the same has not been found satisfactory.

4. NOW THEREFORE the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers conferred on him under sub-section (1) of section 15 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 (Act No. 19 of 1968) is pleased to remove Shri Parshotam Lal from Membership of the Municipal Committee, Kangra, with immediate effect.

By order,

KR. SHAMSHER SINGH,
Secretary.

भाग 5—वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन

PROCLAMATION UNDER ORDER 5, RULE 20
C. P. C.

In the Court of Shri Surjit Singh, Senior Sub-Judge,
Una district, Una

CIVIL SUIT No. 101 OF 80

Hukam Chand Vs. Yog Raj etc.

Vs. 1. S/Shri Dev Raj, (2) Tarsem Lal ss/o Anant Ram, caste Brahman r/o Badehar, Tehsil & District Una.
..Defendants.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendants cannot be served through an ordinary course of service, hence this publication under Order 5, Rule 20, C. P. C. is hereby issued against them requiring them to appear in this court on 26-6-81 at 10 A. M. personally or through an advocate to defend the case. Failing which *ex parte* proceeding shall be taken against them.

Given under my hand and the seal of the Court this 15th day of May, 1981.

Seal.

SURJIT SINGH,
Senior Sub-Judge, Una.

PROCLAMATION UNDER ORDER 5 RULE 20 CPC

In the Court of Shri Shamsheer Singh, Sub-Judge 1st
Class Sarkaghat, District Mandi, Himachal Pradesh

Civil Suit No. 44 of 1980

Sarju Singh son of Jai Singh resident of Village Dhaboi, IIIJaqua Hatli, Tehsil Sarkaghat, District Mandi, H.P.
..Plaintiff.

Versus

Piar Singh and others ..Defendants.

Suit for declaration

To

- (5) Hari Chand son of Masadi, resident of village Dhaboi, IIIJaqua Hatli, Tehsil Sarkaghat, District Mandi, Himachal Pradesh at present Driver Bus No. 4091 c/o Chaudhari Bhuri Singh, Palam Air Port the Mohran Nagar, New Delhi-10.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendant is evading the service of summons and cannot be served in the normal course of service.

A proclamation is hereby issued against him to appear before this court on 20-6-1981 at 10 A. M. personally or through pleader or an advocate to defend the case, failing which *ex parte* proceeding shall be taken against him.

Given under my hand and Seal of the Court today the 5th May, 1981.

Seal. SHAMSHER SINGH,
Sub-Judge 1st Class, Sarkaghat.

In the Court of Shri Shamsheer Singh, Sub-Judge 1st Class,
Sarkaghat, District Mandi. H. P.

Civil Suit No. 32 of 1980

Binia Ram son of Kahna, resident of village Harwan,
Hlaqua Hatli, Tehsil Sarkaghat, District Mandi,
Himachal Pradesh ..Plaintiff.

Versus

Piar Chand and others ..Defendants.

Suit for declaration

To

3. Dile Ram son of Saran.
4. Bhagat son of Jawahar, resident of village Harliwan, Hlaqua Hatli, Tehsil Sarkaghat, District Mandi Himachal Pradesh.
12. Smt. Hardei w/o Barlaju.
14. Parem Dev son of Balak Ram resident of village Harliyan, Hlaqua Hatli, Tehsil Sarkaghat, District Mandi, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendants are evading the service of summons and cannot be served in the normal way of service.

A proclamation is hereby issued against them to appear before this court on 22-6-81 at 10 A. M. personally or through pleader or an advocate to defend the case, failing which *ex parte* proceedings shall be taken against them.

Given under my hand and Seal of the court, today the 30th April, 1981.

Seal. SHAMSHER SINGH,
Sub-Judge 1st Class, Sarkaghat.

In the Court of Kiran Aggarwal Senior Sub-Judge Hamirpur
Himachal Pradesh

CASE NO. 125/1980

Shashi Kumar *Versus* Iswar Dass

Versus Partap Singh s/o Dass Singh, r/o Doh, Tappa Mewa, Tehsil & Distt. Hamirpur, Himachal Pradesh.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above noted defendant is evading the service of summons and cannot be served through ordinary course of summons. Hence this proclamation under Order 5, Rule 20 C.P.C. is hereby issued against him to appear in this court on 3-8-1981 at 10 A.M. personally, through an Advocate or an authorised agent, failing which *ex parte* proceedings shall be taken against him.

Given under my hand and the seal of the court this the 15th May, 1981.

Seal. KIRAN AGGARWAL,
Senior Sub-Judge, Hamirpur.

PROCLAMATION UNDER ORDER 5, RULE 20,
C. P. C.

In the Court of Shri Surjit Singh, Senior Sub Judge,
Una, District Una

Civil Suit No. 28 of 80

Nanak Chand *Vs.* Bhagat Ram etc.

Vs: 1. Charanjie Lal (2) Bishambar Dass ss/o Beli Ram (3) Jawahar Lal, s/o Chuni Lal, caste Brahman, r/o Kotla Kalan, Teh. & District Una.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this Court that the above named defendants cannot be served through an ordinary course of service, hence this publication under Order 5, Rule 20 C.P.C. is hereby issued against them requiring them to appear in this Court on 11-8-81 at 10 A. M. personally or through an advocate to defend the case, failing which *ex parte* proceedings shall be taken against them.

Given under my hand and the seal of the Court this 15th day of May, 1981.

Seal. SURJIT SINGH,
Senior Sub-Judge, Una.

In the Court of Shri T. N. Vaidya, Senior Sub-Judge,
Chamba district, Chamba (H. P.)

Succession Application No. 4 of 1980
Pending for 19th June, 1981

1. Smt. Usha Rani wd/o Jagdish Narayan.
2. Yash Pal s/o Jagdish Narayan.
3. Kumari Susum Lata d/o Jagdish Narayan.
4. Suresh Chander s/o Jagdish Narayan.
5. Mst. Kumari Brij Bala d/o Jagdish Narayan, and
6. Naresh Kumar s/o Jagdish Narayan, Residents of Banikhet, Pargana Chuhan, Tehsil Bhattiyat, District Chamba (H.P.).

..Appellants.

Versus

The general Public.

To

The general Public.

WHEREAS in the above cited case the petitioners have moved an application in this Court for the grant of the Succession Certificate in respect of Estate of Late Shri Jagdish Narayan s/o Ram Saran Dass, resident of Banikhet, Pargana Chuhan, Tehsil Bhattiyat, District Chamba, Himachal Pradesh.

The notice is hereby given to the general public, kinsmen and the relations of the deceased that if any body has got any objection to the grant of the Succession Certificate in favour of the above petitioners, may file the same in this Court on or before 19th June, 1981 afterwards the petition will be decided *ex parte*.

Given under my hand and the seal of the Court this 13th day of May, 1981.

Seal. T. N. VAIDYA,
Senior Sub-Judge,
Chamba district, Chamba.

PROCLAMATION UNDER ORDER 5, RULE 20,
C. P. C.

In the Court of Shri Surjit Singh, Senior Sub-Judge,
Una district, Una

CIVIL SUIT NO. 198 OF 79

Ram Sarup Vs. Taro Devi.

Vs. (1) Neelam Kumari minors d/o (2) Dharam Vir
(3) Karam Vir minors ss/o Dina Nath Through Smt.
AmaraWati wd/o Dina Nath deceased Caste Brahman r/o
Jakhera, Tehsil & District Una.

Whereas in the above noted case it has been proved to
the satisfaction of this court that the above named defend-
ants cannot be served through an ordinary course of service,
hence this publication under Order 5, Rule 20, C. P. C. is
hereby issued against them requiring them to appear in
this Court on 20-6-81 at 10 A. M. personally or through an
advocate to defend the case, failing which *ex parte* proceed-
ing shall be taken against them.

Given under my hand and the seal of the Court this
15th day of May, 1981.

Seal.

SURJIT SINGH,
Senior Sub-Judge,
Una, District Una.

PROCLAMATION UNDER ORDER 5, RULE 20,
C. P. C.

In the Court of Shri Surjit Singh, Senior Sub-Judge,
Una district, Una

Civil Suit No. 278 of 80

Mansha Ram Versus Dali Mal etc.

Versus.—Sugrib Singh s/o Nasib Singh (2) Bikram Singh
(3) Kamal Singh, ss/o Malkiat Singh (4) Soma Devi d/o
Malkiat Singh (5) Hans Raj (6) Charan Dass, (7) Daulat
Ram s/o Lalji, (8) Ram Lal (9) Omkar Chand s/o (10)
Omawati d/o Harbans Lal deceased r/o Bharolian, Tehsil
& District Una .. Defendants.

Whereas in the above noted case it has been proved to
the satisfaction of this court that the above named defend-
ants cannot be served through an ordinary course, of
service, hence this publication under Order 5, rule 20,
C. P. C. is hereby issued against them requiring them to
appear in this Court on 26-6-81 at 10 A. M. personally or
through an advocate to defend the case, failing which
ex parte proceedings shall be taken against them.

Given under my hand and the seal of the Court this 14th
day of May, 1981.

Seal.

SURJIT SINGH,
Senior Sub-Judge,
Una District, Una.

In the Court of District Judge, Solan and Sirmur districts
Camp at Solan

State Bank of India Simla ..Petitioner.

Versus

General public.

Application under Section 228/241 of the Indian
Succession Act for the grant of Letters of Adminis-
tration, with a copy of the authenticated will
annexed, to the attorney (State Bank of India) of
the absent executor Mr. John Philip Meakin of 64
Greenford Avenue, Henwell, London, (W-7 (U.K.)

in the matter of and Goods of late Mobil Elisabeth
Meakins, 64, Greenford Avenue. Hanwell,
London, W-7 (U. K.)

To

The general public.

Whereas the above named petitioner having applied for
the grant of Succession Certificate for the estate of late
Mobil Elisabeth Meakins, 64 Greenford Avenue, Hanwell,
London W-7 (U. K.) who died on 20-12-66 in England.

Notice is hereby issued to the general public to file
objections if any against the grant of Succession Certificate
in favour of the petitioner on or before 13-7-81 at 10
A. M. in this court at Solan. In case no objection is received
in this court on or before the date fixed, further proceed-
ings with regard to the grant of succession certification
in favour of the petitioner will be taken.

Given under my hand and seal of the court this 14-5-81.

Seal.

H. D. KAINTHLA,
District Judge, Solan.

In the Court of Senior Sub-Judge Kangra at Dharamsala

C. M. A. No. 7 of 1980

Smt. Ratani Versus Smt. Naro etc.

To

(1) Smt. Naro wife of Damodar, Caste Tarkhan, r/o
Panapri, Tehsil Palampur, (3) Narain Singh, (4) Chatter
Singh ss/o Gobind Ram, Caste Rajput, r/o Gaggal, Tehsil
Palampur, District Kangra, (5) Bhagwan Singh, (6) Janak
Singh, (7) Uttam Chand, (8) Kashmir Singh ss/o Jaunsar,
Caste Ghirth, r/o Tika Kholi, Mauza Gaggal, Tehsil Palam-
pur, (9) Kishan Chand (10) Narain alias Dunia ss/o Kanshi
Ram, r/o Tika Tibi, Mouza Jauna, Tehsil Palampur,
District Kangra .. Defendants/Respondents.

Whereas in the above noted case it has been proved to
the satisfaction of this court that the above named defend-
ants/respondents are evading the service of the summons
and cannot be served in the normal course of the service.
Hence, this proclamation is hereby issued against them to
appear in this court on the date fixed for hearing on
18-6-81 at 10 A. M. personally or through an authorised
agent or pleader to defend the case, failing which
ex parte proceedings will be taken against them.

Given under my hand and the seal of the court this 5th
day of May, 1981.

Seal.

Sd/-
Senior Sub Judge,
Kangra at Dharamsala.

ब्रह्मशत्रु श्री हरभजन सिंह, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, राम गहर,
जिला सोलन, हि0 प्र0

अदालती इस्तहार

जेर आर्डर 20 सी. पी. सी.

सुन्दर पुत्र कुन्दन, ग्राम रजवाह, परगना मलीण, उप-तहसील
रामगहर, जिला सोलन, हि. प्र.

बनाम

(1) जगत राम (2) चेत राम पुत्रगण पूरन, ग्राम बानावली, परगना
मलीण, उप-तहसील रामगहर, जिला सोलन, हि0 प्र0 .. प्रतिवादी।

प्रार्थना-यत् बराए दस्तवी खसरा गिरदावरी अराजी तादादी 14-16
बीघा मौजा क्यारघाट तथा 10-11 बीघा मौजा रजवाह कुल अराजी
25 बीघा 7 बिस्वा हेतु।

उक्त वाद में प्रतिवादी को अदालत से अनेक बार समन द्वारा पैरवी हेतु
तलब किया गया परन्तु प्रतिवादी पर हस्व जाब्ता तामील न हो सकी जिससे
हम सन्तुष्ट हैं कि प्रतिवादियों पर आसानी से तामील नहीं हो पायगी।

अतः इस इशतहार अखबारी द्वारा प्रतिवादियों को सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 22-6-81 को असालतन या बकालतन प्रातः 10 बजे हाजिर अदालत हो कर पैरवी करें अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 11-5-81 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।
हरभजन सिंह,
सहायक समाहर्ता, द्वितीय वर्ग,
रामेश्वर, जिला सोलन।

STATE BANK OF INDIA

NOTICE

- Shri I. S. Singla, Officer JMS-I held the charge of Dhaliara Branch from 28-1-1981 to 24-2-1981.
- Shri K. K. Kalra, Officer JMS-I held the charge of H. P. A. U. Palampur Branch from 1-2-1981 to 8-2-1981.
- Shri S. S. Chauhan, Officer JMS-I held the charge of A. D. B. Chowari from 12-1-1981 to 18-1-1981.
- Shri Parmod Kumar, Officer JMS-I held the charge of Salooni Branch from 9-1-1981 to 11-1-1981.
- Shri P. K. Goel, Officer JMS-I held the charge of Panchrukhi Branch from 17-1-1981 to 23-2-1981.
- Shri Lakshmi Chand, Officer JMS-I took over the permanent charge of Hamirpur Branch w. e. f. 3-1-1981.
- Shri V. S. Jain, Officer JMS-I held the charge of Jawali Branch from 17-2-1981 to 25-2-1981.
- Shri R. K. Goel, Officer JMS-I held the charge of Sihunta Branch from 19-1-1981 to 27-1-1981.
- Shri V. K. Malhotra, Officer JMS-I held the charge of Dharamsala Branch from 10-1-1981 to 27-1-1981.
- Shri B. J. Chopra, Officer JMS-I held the charge of Sundernagar Branch from 2-12-1980 to 23-1-1981.
- Shri B. J. Chopra, Officer JMS-I held the charge of Sunder Nagar Branch from 24-1-1981 to 28-1-1981.
- Shri S. S. Arora, Officer JMS-I held the charge of Dharamsala Branch from 31-1-1981 to 4-2-1981.
- Shri S. B. S. Kwatra, Officer JMS-I held the charge of Gagret Branch from 21-1-1981 to 29-1-1981.
- Shri N. K. Sehgal, Officer JMS-I held the charge of Jawali Branch from 24-1-1981 to 28-1-1981.
- Shri Baldev Raj, Officer JMS-I held the charge of Rait Branch from 24-1-1981 to 16-2-1981.
- Shri B. J. Chopra, Officer JMS-I held the charge of Sundernagar Branch from 16-2-1981 to 19-2-1981.
- Shri S. K. Taneja, Officer JMS-I held the charge of H. P. A. U. Palampur Branch from 31-1-1981 to 12-2-1981.
- Shri R. K. Goel, Officer JMS-I held the charge of Jasur Branch from 8-2-1981 to 11-2-1981.
- Shri R. K. Goel, Officer JMS-I held the charge of Jasur Branch from 15-2-1981 to 29-2-1981.
- Shri Bachittar Singh, Officer JMS-I held the charge of Chamba Branch from 7-2-1981 to 12-2-1981.
- Shri M. C. Rana, Officer JMS-I held the charge of A. D. B. Palampur from 7-2-1981 to 12-2-1981.
- Shri V. K. Sharma, Officer JMS-I held the charge of Jasur Branch from 15-11-1980 to 25-11-1980.
- Shri B. K. Puri, Officer JMS-I held the charge of Dehra Branch from 3-2-1981 to 12-2-1981.
- Shri S. K. Gupta, Officer JMS-I held the charge of Nagrota Surian Branch from 9-2-1981 to 13-2-1981.
- Shri S. B. S. Kwatra, Officer JMS-I held the charge of Gagret Branch from 31-1-1981 to 12-2-1981.
- Shri Ravi Mahajan, Officer JMS-I held the charge of Dalhousie Branch from 24-1-1981 to 6-2-1981.
- Shri R. K. Mahajan, Officer JMS-I held the charge of Banikhet Branch from 24-2-1981 to 24-2-1981.
- Shri Dharam Vir, Officer JMS-I held the charge of Banikhet Branch from 24-2-1981 to 28-2-1981.
- Shri K. K. Kalra, Officer JMS-I held the charge of H. P. A. U. Palampur Branch from 8-2-1981 to 14-2-1981.
- Shri A. K. Abrol, Officer JMS-I held the charge of Hamirpur Branch from 7-2-1981 to 13-2-1981.
- Shri N. K. Sehgal, Officer JMS-I held the charge of Fatehpur Branch from 7-2-1981 to 23-2-1981.
- Shri S. K. Gupta, Officer JMS-I held the charge of Gharjarot Branch from 14-2-1981 to 19-2-1981.
- Shri J. R. Sammi, Officer JMS-I taken over the permanent charge of Mehla Branch w. e. f. 21-1-1981
- Shri Bachittar Singh, Officer JMS-I taken over the permanent charge of Manager (Agriculture) w. e. f. 7-1-1981 at Chamba Branch
- Shri M. R. Kashav, Officer JMS-I taken over charge of Fatehpur Branch permanently w. e. f. 28-2-1981.
- Shri V. K. Malhotra, Officer JMS-I taken over the permanent charge of Manager PB (D) w. e. f. 24-9-1980 at Dharamsala Branch.
- Shri S. S. Chauhan, Officer JMS-I held the charge of A. D. B. Chowari from 15-2-1981 to 21-2-1981.
- Shri B. K. Puri, Officer JMS-I held the charge of Dehra Branch from 16-2-1981 to 19-2-1981.
- Shri V. K. Sud, Officer JMS-I held the charge of Jaisinghpur Branch from 12-2-1981 to 16-2-1981.
- Shri S. K. Kashyap, Officer JMS-I held the charge of Amb Branch from 23-2-1981 to 10-3-1981.
- Shri S. K. Gupta, Officer JMS-I held the charge of Gharjarot Branch from 14-2-1981 to 19-2-1981.
- Shri Dharam Vir, Officer JMS-I held the charge of Dalhousie Branch from 14-3-1981 to 17-3-1981.
- Shri Balbir Singh, Officer JMS-I taken over the permanent charge of Branch Accountant w. e. f. 3-3-1981 at Dehra Branch.
- Shri R. K. Goel, Officer JMS-I held the charge of Jasur Branch from 10-3-1981 to 15-3-1981.
- Shri S. K. Sehdev, Officer JMS-I held the charge of Mehla Branch from 9-3-1981 to 16-3-1981.
- Shri S. B. S. Kwatra, Officer JMS-I held the charge of Gagret Branch from 10-3-1981 to 16-3-1981.

47. Shri K. R. Badan, Officer JMS-I held the charge of Yol Camp Branch from 20-2-1981 to 3-3-1981.
48. Shri M. C. Rana, Officer JMS-I held the charge of A. D. B. Palampur from 17-3-1981 to 20-3-1981.
49. Shri Dharam Vir, Officer JMS-I held the charge of Dalhousie Branch from 9-3-1981 to 14-3-1981.
50. Shri Shankar Lal, Officer JMS-I held the charge of Mandi Branch from 12-1-1981 to 16-1-1981.
51. Shri Shankar Lal, Officer JMS-I held the charge of Mandi Branch from 24-1-1981 to 16-2-1981.
52. Shri Shankar Lal, Officer JMS-I held the charge of Mandi Branch from 19-2-1981 to 11-3-1981.
53. Shri V. K. Sud, Officer JMS-I held the charge of Jaisinghpur Branch from 9-3-1981 to 14-3-1981.
54. Shri A. K. Kapoor, Officer JMS-I taken over the permanent charge of Ehatoli Branch w. e. f. 18-3-1981.
55. Shri B. J. Chopra, Officer JMS-I held the charge of Sundernagar Branch from 9-3-1981 to 11-3-1981.
56. Shri S. K. Sehdev, Officer JMS-I held the charge of Mehla Branch from 9-3-1981 to 16-3-81.

J. S. BHATNAGAR,
Chief Regional Manager.

भाग 6—भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन

LAW DEPARTMENT

1979, namely:—

NOTIFICATION

Simla-2, the 25th February, 1981

No. LLR. E(9)-2/81.—The Life Insurance Corporation (Amendment) Ordinance, 1981 (3 of 1981) recently promulgated by the President and published in Section I of the Gazette of India, Extra-ordinary, Part-II, dated 31st January, 1981, is hereby republished in the Himachal Pradesh Government Rajpatra, for the information of general public.

G. S. CHAUHAN,
Under Secretary.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

New Delhi, the 31st January, 1981/Magha 11, 1902 (Saka,

THE LIFE INSURANCE CORPORATION (AMENDMENT) ORDINANCE, 1981

(No. 3 OF 1981)

Fromulgated by the President in the Thirty-second Year of the Republic of India

An Ordinance further to amend the Life Insurance Corporation Act, 1956.

WHEREAS for securing the interests of the Life Insurance Corporation of India and its Policy-holders and to control the cost of administration, it is necessary that a revision of the terms and conditions of service applicable to the employees and agents of the Corporation should be undertaken expeditiously:

AND WHEREAS Parliament is not in session and the President is satisfied that circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action:

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by clause (1) of Article 123 of the Constitution, the President is pleased to promulgate the following Ordinance:—

1. *Short title and commencement.*—(1) This Ordinance may be called the Life Insurance Corporation (Amendment) Ordinance, 1981.

(2) It shall come into force at once.

2. *Amendment of Section 48.*—In the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) (hereinafter referred to as the principal Act), in section 48,—

(a) in sub-section (2), after clause (c), the following clause shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 20th day of June,

“(cc) the terms and conditions of service of the employees and agents of the Corporation, including those who became employees and agents of the Corporation on the appointed day under this Act;”;

(b) after sub-section (2), the following sub-sections shall be inserted, namely:—

“(2A) The regulations and other provisions as in force immediately before the commencement of the Life Insurance Corporation (Amendment) Ordinance, 1981, with respect to the terms and conditions of service of employees and agents of the Corporation including those who became employees and agents of the Corporation on the appointed day under this Act, shall be deemed to be rules made under clause (cc) of sub-section (2) and shall, subject to the other provisions of this section, have effect accordingly.

(2B) The power to make rules conferred by clause (cc) of sub-section (2) shall include—

(i) the power to give retrospective effect to such rules; and

(ii) the power to amend by way of addition, variation or repeal, the regulations and other provisions referred to in sub-section (2A), with retrospective effect.

from a date not earlier than the twentieth day of June, 1979.

(2C) The provisions of clause (cc) of sub-section (2) and sub-section (2B) and any rules made under the said clause (cc) shall have effect, and any such rules made with retrospective effect from any date shall also be deemed to have had effect from that date, notwithstanding any judgment, decree or order of any court, tribunal or other authority and notwithstanding anything contained in the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) or any other law or any agreement, settlement, award or other instrument for the time being in force.”

3. *Amendment of section 49.*—In Section 49 of the principal Act, in sub-section (2),—

(a) in clause (b), the words ‘and the terms and conditions of service of such employees or agents’ shall be omitted; and

(b) clause (bb) shall be omitted.

N. SANJIVA REDDY,
President.

R. V. S. PERI SASTRI,
Secretary to the Government of India.

PART IV**LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT****NOTIFICATION**

Simla-171002, the 16th May, 1981.

No. LSG-A (3)-7/75.—Whereas the Municipal Committee, Hamirpur has requested the State Government to enforce the provisions of section 179 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 within the limits of the Municipal Committee.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in him under sub-section (5) of section 179 of the H. P. Municipal Act, 1968, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that the provisions contained in section 179 of the said Act shall come into force within the territorial limits of the Municipal Committee, Hamirpur at once.

By order,
SHAMSHER SINGH,
Secretary.